गठिया रोग अर्थराइटिस के प्रकार, लक्षण, कारण और आयुर्वेदिक उपचार

/ayushremediesindia @ayushremediesin @ayushremedies

अर्थराइटिस के प्रकार, लक्षण, कारण और आयुर्वेदिक इलाज –

अर्थराइटिस मतलब हड्डियों का वह रोग या गठिया रोग जिसमे जोड़ो के दर्द का बढ़ना, बदन दर्द व शरीर में अकड़न को महसूस करना, हाथ-पेरो और कंधो में सूजन और दर्द का होना ये सब अर्थराइटिस के लक्षण होने का संकेत देते है | अर्थराइटिस का सबसे ज्यादा असर कूल्हों की हड्डियों व घुटनो में देखने को मिलता है | ये अर्थराइटिस रोग समय के साथ बढ़ रही हुई उम्र होने के कारण होता है लेकिन इसके रोगी ना केवल उम्रदराज लोग है बल्कि युवा और बच्चे भी इस अर्थराइटिस रोग की चपेट में आ रहे है |

खाने के मामले में यह अक्सर देखा गया है कोई भी व्यक्ति सावधानी नहीं बरतता है के वो आहार उसके जीवनशैली पर क्या असर करेंगे | बहार के खाद्य पदार्थ और ऐसे आहार जिनमे ऐसे रसायन तत्व होते है जो शरीर को नुक्सान पहुंचाते है और ऐसे आहारों से अर्थराइटिस भी धीरे-धीरे शरीर में बढ़ता चला जाता है जो यूरिक एसिड के रूप में जमा होता है | अर्थराइटिस रोग के प्रकार इस तरह है जैसे: रूमेटॉयड अर्थराइटिस, सोराइटिक आर्थराइटिस, ओस्टियोसोराइसिस, पोलिमायलगिया रूमेटिका, एनकायलाजिंग स्पोंडिलाइटिस, रिएक्टिव आर्थराइटिस, गाउट, सिडडोगाउट, सिस्टेमिक ल्युपस अर्थिमेटोसस आदि | इन अर्थराइटिस के प्रकारो को अलग-अलग दर्द पर नापा गया है |

सही समय पर अर्थराइटिस का आयुर्वेदिक इलाज ना किया गया तो ये रोग एक गंभीर रोग की समस्या बन जाती है जिस पर नियंत्रण पाना थोड़ा मुश्किल हो जाता है और इसमें रोगी को दर्द की असहनीय पीड़ा होती रहती है |

गठिया रोग का आयुर्वेदिक उपचार सफल बनाने के लिए साथ में व्यावाम भी शुरू करे | व्यावाम भी अहम भूमिका निभाता है गठिया के रोग को दूर करने में | रोगी को खाने के बाद थोड़ा टहलना चाहिए और हो सके तो कसरत भी करे ताकि वजन घटाने में थोड़ी मदद मिले और वजन पर नियंत्रण किया जा सके |

ओथॉक्सिल प्लस कैप्सूल और ऑथॉक्सिल प्लस ऑयल की सामग्री –

ऑथॉक्सिल प्लस कैप्सूल्स और ऑथॉक्सिल प्लस ऑयल बना है प्राकर्तिक जड़ी-बूटियों से जैसे: अस्थिसंहार, रीगनी, केसर, चोपचीनी, स्वरण बंग भस्म, पीपलामूल, सुरंजन, रामयफल, एलोवेरा, नागाभस्म, गोदन्ती हरताल भस्म, अश्वगंधा, अरंड, रसना, निर्गुन्डी, गुग्गुल, नागकेसर, हल्दी, अकरकरा, लॉन्ग ऑयल, तारपीन ऑयल, गंधपत्री ऑयल, गन्धपूर्ण ऑयल, पेपरमिंट ऑयल, जायफल ऑयल, कपूर ऑयल, अरंड ऑयल और बुलेलु ऑयल | ये उत्पाद अर्थराइटिस के अलग-अलग प्रकारो पर अपना काम अच्छे से करता है |

भारत में ओथॉंक्सिल प्लस कैप्सूल और ऑथॉंक्सिल प्लस ऑयल कैसे खरीदें?

आप भारत में प्रतिष्ठित ऑनलाइन हर्बल स्टोर जैसे आयुष रेमेडीज डॉट इन से ऑथॉंक्सिल प्लस कैप्सूल और ओथॉंक्सिल प्लस ऑयल खरीद सकते हैं और वह भी भारतीय रुपयों में । इन हर्बल उपचारों को आप घर बैठे मंगवा सकते है | भारत में ऑथॉंक्सिल प्लस कैप्सूल और ओथॉंक्सिल प्लस ऑयल खरीदने के लिए ऑनलाइन भुगतान और साथ ही सीओडी सुविधाएं उपलब्ध हैं। ग्राहक की गोपनीयता की रक्षा के लिए ऑथॉंक्सिल प्लस कैप्सूल्स विचारशील पैकेजिंग में उपलब्ध है | भारतीय ग्राहक इस हर्बल पूरक को 3 से 5 व्यावसायिक दिनों में सीधे अपने दरवाजे पर प्राप्त कर सकते है |

भारत में ऑर्थोक्सील प्लस कैप्सूल और ऑयल –

गठिया रोग के आयुर्वेदिक उपचार की अधिक जानकारी के लिए आप हमारी वेबसाइट AyushRemedies.in पर जाये |